जबसे बुलावा माँ का आया | By Mukesh Bagda |

जबसे बुलावा माँ का पाया
तबसे मनवा मेरा हर्षाया
मैया के चरणों में शीश झुकाने
दौड़ा आया आआआआआ
माँ के दर्शन करने मैं आया हूँ
माँ की चुनरी भी संग में लाया हूँ

मैंने सुना है वैष्णो रानी
करती है भक्तों रखवाली
दुखियों को मैया अपने पास बुलाती
रक्षा करती आआआआआ
माँ से विनती करने मैं आया हूँ
माँ की चुनरी भी संग में लाया हूँ

पर्वत त्रिकुट पर विराजे
मैया के सिर पे छत्र विराजे
छल छल बहती यहाँ बाणगंगा
मन को हरती आआआआआ
नंगे पैरों से चलकर आया हूँ
माँ की चुनरी भी संग में लाया हूँ

मैया ने दानवों को मारा
देवों को संकट से उबारा
रण में ललकारे मैया काली बनकर
संकट हरे आआआआआ
माँ के जयकारे करता आया हूँ
माँ की चुनरी भी संग में लाया हूँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%ac%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/